दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

वर्ष : 3 | अंक : 03 | हरिद्वार | शनिवार, 20 जनवरी, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

मुख्यमंत्री धामी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बागेश्वर में बने ताम्र शिल्प पर आधारित उत्पाद तथा उत्तराखण्ड की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार की गई सामग्री भेंट की। प्रधानमंत्री ने राज्य की महिलाओं के परिश्रम की सराहना की तथा उनका आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का उत्तराखण्ड को वेडिंग डेस्टिनेशन बताये जाने के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री की अपील के बाद उत्तराखण्ड में शादियों के लिये देश विदेश से बडी संख्या में लोगों द्वारा बुकिंग की जा रही है, इससे राज्य के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उत्तराखण्ड में वेडिंग डेस्टिनेशन विकसित किये जाने के लिए 150 करोड़ रूपये के निवेश भी प्राप्त हुये हैं। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कर्णप्रयाग-ग्वालदम मार्ग में सीमा सड़क संगठन द्वारा किये जा रहे कार्यों में तेजी लाने, पर्यटन और सैन्य आवगमन तथा आम जनमानस के लिए अत्यन्त उपयोगी 189 कि0 काठगोदाम-भीमताल, ध्यानाचुली-मोरनोला-खेतीखान-लोहाघाट-पंचेश्वर मोटर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अधिसूचित करने एवं मानसखण्ड मन्दिर माला परियोजना के अन्तर्गत मानसखण्ड मन्दिरों को जोड़ने वाले 20 मार्गों हेतु 01 हजार करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों एवं पर्यटकों को मानसखण्ड मन्दिर माला के दर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए गढ़वाल तथा कुमायूं को जोड़ने वाले मार्गों का उच्चीकरण किया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री धामी ने 'गंगाजल कलश यात्रा' को हरकी पैड़ी से किया रवाना

जतिन शर्मा

हरिद्वार। अयोध्या में भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के लिए हरकी पैड़ी से गंगाजल कलश यात्रा को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रवाना किया। इससे पहले गंगाजल कलश की पूजा की गई। यात्रा पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गयी। इस दौरान पूरा क्षेत्र जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। छात्राओं ने भगवान राम के भजन गाकर पूरा माहौल भक्तिमय कर दिया। सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आगामी 22 जनवरी, को अयोध्या में श्रीराम के बालस्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर हेतु हरकी पैड़ी पर मां गंगा की पूजा-अर्चना किया गया। जिसके पश्चात मंत्रोच्चारण के बीच मां गंगा का पवित्र जल ब्रह्मकुण्ड से कलशों में एकत्रित कर कलश यात्रा को अयोध्या के लिये रवाना किया। सोमवार को हरकी पैड़ी से रवाना होने के बाद यह कलश यात्रा पूरे हरिद्वार में भ्रमण करेगी।

ऑनलाईन आरटीआई पोर्टल बनने से लोगों को मिलेगी मदद,

जतिन शर्मा

देहरादून। पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड ने ऑनलाईन आर.टी.आई. पोर्टल तथा ऑनलाईन द्वितीय अपील/शिकायत एवं हाईब्रिड सुनवाई की व्यवस्था का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने सूचना अनुरोध पत्रों तथा प्रथम अपीलों के ऑनलाईन प्रेषण पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि ऑनलाईन आर.टी.आई. पोर्टल बनने से लोगों को काफी मदद मिलेगी। अपीलों की सुनवाई की सुनवाई हेतु आने-जाने में लगने वाला समय भी बचेगा।

गुरुकृपा दर्पण
(राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की।
सम्पर्क करें –
9410731129, 9548880101

जिला उद्योग मित्र समिति की एक बैठक आयोजित

जतिन शर्मा

हरिद्वार। जिलाधिकारी धीराज सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग मित्र समिति की एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी को महाप्रबन्धक उद्योग पल्लवी गुप्ता ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से हरिद्वार, बहादराबाद, रूड़की तथा भगवानपुर औद्योगिक क्षेत्रों के सम्बन्ध में औद्योगिक प्रतिनिधियों द्वारा रखे गये विभिन्न प्रकरणों के सन्दर्भ में विस्तार से जानकारी दी। जिलाधिकारी को बैठक में औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधियों ने सिडकुल में नये उद्योगों की स्थापना हेतु भूमि उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। जिलाधिकारी द्वारा इस सम्बन्ध में आरएम सिडकुल से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र भगवानपुर के विभिन्न क्षेत्रों में सीमांकन का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी द्वारा लालढांग स्थित भूमि के सम्बन्ध में पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया कि चिह्नित भूमि राजस्व अभिलेखों में वन भूमि है। इस पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वन विभाग की एनओसी प्राप्त करने के लिये एक प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। सिडकुल हरिद्वार फेस-2 के सम्बन्ध में

जिलाधिकारी द्वारा जानकारी लेने पर अधिकारियों ने बताया कि इस सम्बन्ध में कार्यवाही उच्च स्तर पर गतिमान है। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सिडकुल की सड़कों की स्थिति के सम्बन्ध में जानकारी ली तो अधिकारियों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा 70 प्रतिशत सड़कों की मरम्मत का कार्य कर दिया गया है तथा शेष सड़कों की मरम्मत शीघ्र ही की जायेगी। बैठक में सिडकुल के कई क्षेत्रों में बरसात के मौसम में जल भराव की स्थिति पर चर्चा हुई, जिस पर आरएम सिडकुल ने बताया कि सिंचाई विभाग द्वारा समस्या के निदान का कार्य प्रारम्भ कर दिया है। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र बहादराबाद क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों का जिक्र आया तो अधिकारियों ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र बहादराबाद में 40 स्ट्रीट लाइटों का कार्य पूर्ण कर दिया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अगर कहीं स्ट्रीट लाइट और स्थापित होनी है, तो उसके सम्बन्ध में प्रस्ताव प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी को समिति के सदस्यों ने बताया कि सिडकुल क्षेत्र में पीने के पानी का एक ही टैंक है, अत: एक और टैंक स्थापित किया जाये। इस पर अधिकारियों ने बताया कि पानी की टंकी के लिये भूमि का निरीक्षण कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई जल संस्थान को करनी है, जिस पर जिलाधिकारी ने जल संस्थान को निर्देश दिये कि वे एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। बैठक में बहादराबाद औद्योगिक क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति हेतु ओवर हैड टैंक व पाइप लाइन डलवाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया कि इसका 45 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा कार्य प्रगति पर है। चर्चा के दौरान बहादराबाद औद्योगिक क्षेत्र में गैस प्लाण्ट के टैंकर उचित पार्किंग न होने के कारण फैक्ट्री के बाहर खड़े होने की समस्या सामने आयी। इस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि एक मीटिंग आयोजित करके इस समस्या का समाधान करना सुनिश्चित करें। बैठक में बहादराबाद क्षेत्र में सिडकुल द्वारा सड़कों व नालियों का निर्माण कराये जाने का अनुरोध जिलाधिकारी से औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधियों द्वारा की गयी। इस पर अधिकारियों ने बताया कि इस सम्बन्ध में ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा आकलन तैयार कर सिडकुल मुख्यालय को भेज दिया गया है।

सम्पादकीय

नया कानून टेलीग्राफ ऐक्ट

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

नया कानून टेलीग्राफ ऐक्ट के साथ-साथ 1933 में बने वायरलेस टेलीग्राफी ऐक्ट और 1950 में बने टेलीग्राफ वायर्स (गैर-कानूनी गतिविधि) अधिनियम की जगह लेगा। मगर बेहतर यह होता कि प्रस्तावित कानून का मसविदा व्यापक राष्ट्रीय बहस और तमाम हित-धारकों के साथ विचार-विमर्श के जरिए बनाया गया होता। ऐसा ना होने की वजह से संदेह पैदा हुए हैं और भविष्य में कई विवाद खड़े होने की गुंजाइश बन गई है। मसलन, एक विवादास्पद बिंदु सैटेलाइट स्पेक्ट्रम के आवंटन की प्रस्तावित प्रक्रिया है। टू-जी स्पेक्ट्रम आवंटन को लेकर हुए विवाद के बाद सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे तमाम संसाधनों की बिक्री नीलामी के जरिए करने की व्यवस्था दी थी। अब नए कानून के जरिए इस व्यवस्था को पलटने का इरादा सरकार ने जताया है। यानी फिर से स्पेक्ट्रम सरकार आवंटित करेगी। जब स्पेक्ट्रम पाने की होड़ में अनेक कंपनियां होंगी, तब हर ऐसे आवंटन को लेकर विवाद खड़ा होने की आशंका बनी रहेगी। इसी तरह बिल में प्रावधान है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सरकार जब चाहे दूरसंचार सेवाओं को अपने हाथ में ले सकेगी। इसके अलावा चैट सेवाओं के इन्क्रिप्शन संबंधी प्रतिमान तय करने का आधिकार सरकार के पास होगा। इससे चैटिंग की निजता भंग होने का अंदेशा खड़ा हुआ है। ओटीटी सेवाओं को लेकर अभी भ्रम बना हुआ है,

कोविड के नये वैरिएंट ऑमीक्रोन जेएन-1 पर होगा रिसर्च, चीन की लैब से मंगाया स्पाइक प्रोटीन

जतिन शर्मा

हरिद्वार। बीते कोरोना काल में जहाँ संम्पूर्ण विश्व में हाहाकार मचा हुआ था, वहीं पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन के वैज्ञानिकों ने सतत् अनुसंधान से कोरोनिल का अविष्कार कर कोरोना के क्रूर पंजो से हजारों जीवन बचाये थे तथा मानव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के इतिहास में आयुर्वेद का परचम लहराया था। बता दें अब कोरोना के नये वैरिएंट पर अनुसंधान करने हेतु चीन की साइनो बॉयोलॉजिकल लैब से स्पाइक प्रोटीन मंगाया गया है, जिस पर पतंजलि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक रिसर्च करेगें। वर्तमान में कोरोना का नया वैरिएंट ऑमीक्रोन जेएन-1 पुन: सम्पूर्ण विश्व में अपने पैर पसार रहा है। कोरोना चिकित्सा के क्षेत्र में अपने अनुसंधान कार्यों को आगे बढ़ाने के क्रम में पतंजलि अनुसंधान संस्थान द्वारा चीन की साइनो बॉयोलॉजिकल लैब से मंगाये गये स्पाइक प्रोटीन पर नवीन अनुसंधान कार्य आरम्भ कर दिया गया है। इस अवसर पर पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि जिस तरह से कोरोना ने भयावह तथा विकराल रूप से सम्पूर्ण विश्व को भयभीत किया तथा अत्यधिक पीड़ा पहुँचायी अब उसी का नया वैरिएंट ऑमीक्रोन जेएन-1 देश-विदेश में फैल रहा है। इस वायरस से होने वाले रोग की चिकित्सा हेतु जो अनुसंधान करना है उसके लिए वायरस के स्पाइक प्रोटीन की आवश्यकता होती है और हमें गर्व है कि पतंजलि अनुसंधान संस्थान वह पहली संस्था है जहाँ ऑमीक्रोन जेएन-1 वायरस का स्पाइक प्रोटीन चीन की साइनो बॉयोलॉजिकल लैब से पहुंच चुका है। यह वायरस बहुत खतरनाक है परन्तु उसकी स्पाइक प्रोटीन पर कार्य करके ही उसका समाधान पाया जा सकता है। सबसे अधिक प्रयास स्पाइक प्रोटीन को बचाने का करना पड़ता है क्योंकि यह बहुत दूर चीन से मंगाया गया है। इसे मंगाने के लिए हमें काफी परिश्रम और सम्पर्क करना पड़ा बहुत सारी जटिल प्रक्रियाएं पूर्ण करने के उपरांत लगभग डेढ़ माह बाद यह स्पाइक प्रोटीन हमें मिल पाया है जो हमारे वैज्ञानिकों को काफी उत्साह और प्रेरणा देने वाला है। इस ओमीक्रॉन जेएन-1 वायरस का स्पाइक प्रोटीन पर अनुसंधान कर हम सम्पूर्ण विश्व को पुन: यह दिखायेंगे कि पतंजलि किस प्रकार से आयुर्वेदिक औषधियों पर अनुसंधान कर उनका निर्माण करता है तथा मॉडर्न मेडिकल सांइस के जो स्टैण्डर्ड तथा पैरामीटर्स है उन पर योग व आयुर्वेद को पुन: स्थापित करने का कार्य पतंजलि कर रहा है। हमारे पास विश्व के आधुनिकतम अनुसंधान लैब, उपकरण तथा एक्सपर्ट सांइटिस्ट की टीम उपलब्ध है। पतंजलि एक विश्वास का नाम है तथा करोड़ो लोगों का भरोसा पतंजलि के साथ जुड़ा हुआ है। पतंजलि वैज्ञानिक अनुसंधान तथा उसके उच्च स्तरीय मापदण्डों के साथ कोई समझौता नहीं करता। पतंजलि अनुसंधान संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि ओमीक्रॉन जेएन-1 वायरस के स्पाइक प्रोटीन पर कोरोनिल के इस्तेमाल से इन्फेक्शन कन्ट्रोल का ट्रॉयल किया जायेगा, जिसके परिणाम वायरस कन्ट्रोल के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर मंदिरों में चल रहे है साफ सफाई अभियान : आदेश चौहान

जतिन शर्मा

हरिद्वार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर रानीपुर विधानसभा में मंदिरों की साफ सफाई अभियान के क्रम में भेल सेक्टर 1 में विधायक आदेश चौहान ने दिनांक 18 जनवरी को संत शिरोमणि रविदास मंदिर में सफाई कार्य किया। इस अवसर पर भेल यूनियन, संत शिरोमणि रविदास मंदिर समिति, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं सहित बहुत से स्थानीय नागरिकों ने सफाई अभियान में हिस्सा लिया। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने बताया की रामलला के प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर के मंदिरों एवं तीर्थ स्थलों में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आम जनमानस द्वारा सफाई कार्य हो रहा है।देश भर में 14 जनवरी से 22 जनवरी तक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 दिसंबर को अयोध्या से आह्वान किया था कि स्वच्छ मोहल्ला स्वच्छ ग्राम अयोध्या धाम प्रधानमंत्री महोदय ने स्वयं इस अभियान की शुरुआत पंचवटी से की थी। जहां भगवान राम अपने वनवास के दौरान लंबे समय तक रहे। रानीपुर विधायक ने 22 जनवरी को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन पर मंदिरों में भजन कीर्तन एवं घरों पर दीपक जलाकर दीपावली मनाने के लिए भी लोगों से आह्वान किया। इस अवसर पर शिवालिक नगर भाजपा मंडल महामंत्री संदीप राठी, पूर्व मंडल महामंत्री राधेश्याम पाल, अनुसूचित मोर्चा मंडल अध्यक्ष पवन वर्मा, रविदास मंदिर समिति के अध्यक्ष सुखपाल सिंह,महासचिव प्रमोद अदालती, मनजीत कुमार, कोषाध्यक्ष कमल सिंह, अशोक कटारिया, सामुदायिक केंद्र सचिव अरुण कुमार, बीएमएस यूनियन अध्यक्ष इंद्रपाल शर्मा, एचएमएस के मनजीत सिंह, ऋषिपाल सिंह, वीरेंद्र चौहान, कर्मचारी परिषद के महासचिव अमित चौहान, ब्रह्मपाल सिंह, धीर सिंह, राधेश्याम सिंह, जितेंद्र धर्मराज, अरविंद कुमार, मोहकम सिंह, उमेश पाठक, आशुतोष शर्मा, अतुल वशिष्ठ सहित अनेक लोग सफाई अभियान में शामिल हुए। इसी अभियान के क्रम में 19 जनवरी को भी रानीपुर विधानसभा में धार्मिक स्थलों की साफ सफाई रानीपुर विधायक आदेश चौहान के साथ गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के पदाधिकारियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्राम टीहरा में गुरुद्वारे की साफ सफाई की। इस अवसर पर उन्होंने जन-जन से इस अभियान में शामिल होने की अपील भी की। विधानसभा रानीपुर के ग्राम खाला टीहरा में विधायक आदेश चौहान ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि 22 जनवरी तक अपने आसपास के सभी धार्मिक स्थलों को साफ सुथरा बनाकर सजाना है। इससे हमारी धार्मिक आस्था को भी बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर हर घर दिवाली मनाई जाए।

अंगदान और अंग ट्रांसप्लांट के प्रति जन जागरूकता कार्यक्रम:एम्स

ऋषिकेश। अंगदान और अंग ट्रांसप्लांट के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से एम्स ऋषिकेश में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कहा गया कि जीवन में अंगदान से बढ़कर कोई दूसरा दान नहीं है। इस दौरान बीते सोमवार को ओपीडी एरिया में 'अंगदान संकल्प पदयात्रा' भी निकाली गई। एम्स ऋषिकेश के जनरल सर्जरी विभाग और कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम में अंगदान के महत्व पर प्रकाश डाला गया और मरीजों तथा उनके तीमारदारों को अंगदान करने के लिए प्रेरित किया गया। हॉस्पिटल ब्लॉक के ओपीडी एरिया में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर (डा.) मीनू सिंह ने कहा कि अंगदान करने से हम जरूरतमंद दूसरे व्यक्ति का जीवन बचा सकते हैं। अंगदान में भागीदारी करना, दान और समाज सेवा का महान रूप है। उन्होंने कहा कि हमें चाहिए कि हम समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अंगदान के प्रति जागरूक करें। उन्होंने बताया कि एम्स शीघ्र ही लीवर ट्रांसप्लांट सुविधा शुरू करने जा रहा है। इसकी संस्तुति प्राप्त हो गयी है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति अपने शरीर के लंग्स, हार्ट और पेन्क्रियाज सहित 8 प्रकार के विभिन्न अंगों को दान कर सकता है। प्रोफेसर (डा.) मीनू सिंह ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने की बात कही। डीन एकेडेमिक प्रो. जया चतुर्वेदी ने दूसरों का जीवन बचाने के लिए अंगदान के प्रति संकल्पित होने की बात कही। उन्होंने कहा कि अंगदान महादान है और अंगदान करके हम जरूतमंद व्यक्ति का जीवन बचा सकते हैं। चिकित्सा अधीक्षक प्रो. आर.बी. कालिया ने अंगदान के प्रति समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने की अपील की। कहा कि अंगदान के प्रति जागरूक होकर हम प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरित करते हुए इस अभियान को सफल बना सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जनरल सर्जरी विभाग के एब्डोमिनल मल्टीऑर्गन ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. कर्मवीर सिंह ने अंगदान को स्वैच्छिक विषय बताया और कहा कि किसी भी उम्र का व्यक्ति अंगदान कर सकता है।

देवसंदेश NEWS

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

विपक्ष को सीट बंटवारे से आगे देखना होगा

अजीत द्विवेदी

तीन महीने से कुछ ज्यादा अरसे के बाद एक बार फिर विपक्षी पार्टियों के नेताओं की बैठक होने वाली है। बड़े राजनीतिक उथल-पुथल वाले घटनाक्रम के बाद विपक्ष की यह बैठक हो रही है। आखिरी बैठक 31 अगस्त और एक सितंबर को मुंबई में हुई थी और उसके बाद 13 सितंबर को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की 13 सदस्यों की समन्वय समिति की बैठक हुई थी। उस बैठक में एकमात्र फैसला यह हुआ था कि विपक्षी गठबंधन की भोपाल में साझा रैली होगी परंतु कांग्रेस के नेता कमलनाथ ने उस पर पानी फेर दिया था। बहरहाल, विपक्ष की आखिरी बैठक के बाद पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए, जिसमें चार राज्यों में कांग्रेस हारी और सिर्फ एक दक्षिणी राज्य तेलंगाना में सरकार बनाने में उसे कामयाबी मिली। इस अवधि में एक के बाद एक कई घटनाएं हुईं- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का विवाद हुआ और फिर सुलह भी हुई, विपक्षी गठबंधन के प्राइम मूवर नीतीश कुमार के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल उठे, जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म करने के सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर लगी, संसद की सुरक्षा में चूक हुई, 14 सांसद निलंबित हुए और सरकार व विपक्ष में टकराव का नया दौर शुरू हुआ, ईडी ने आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को गिरफ्तार किया और दो मुख्यमंत्रियों- अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन को समन जारी किया। इन तमाम घटनाओं के बाद 19 दिसंबर को जब विपक्षी पार्टियों के नेता बैठक करेंगे तो सबसे बड़ा सवाल उनके सामने होगा कि आगे की राह क्या हो? पांच राज्यों के चुनाव नतीजों से विपक्ष को यह तो समझ में आया है कि सिर्फ बातों में एकता बनाने से काम नहीं चलेगा। अगर जमीनी स्तर पर एकता बनेगी और भाजपा के साथ आमने-सामने की लड़ाई बनेगी तभी कोई फायदा होगा। अगर विपक्ष की छोटी छोटी पार्टियों ने तालमेल किया होता तो राजस्थान और छत्तीसगढ़ में नतीजे अलग आए होते। इन दो राज्यों के आंकड़ों से भी विपक्षी पार्टियों को सीधी लड़ाई बनाने की जरुरत का अहसास हुआ होगा। अब तक इस बारे में सिर्फ बातें होती रही हैं कि हर सीट पर भाजपा के खिलाफ विपक्ष का एक उम्मीदवार उतारना है। अब उसको मूर्त रूप देने का समय आ गया है। सो, निश्चित रूप से विपक्षी पार्टियां इस बारे में बात करेंगी। लेकिन यह एकमात्र मुद्दा नहीं है, जिस पर विपक्षी पार्टियों को विचार करने की जरुरत है। ज्यादातर पार्टियां चाहती हैं कि जल्दी से जल्दी सीटों का बंटवारा हो और ज्यादा से ज्यादा राज्यों में गठबंधन को अंतिम रूप दिया जाए। यह जरूरी है लेकिन सिर्फ गठबंधन का विस्तार करने या सीट बंटवारा कर लेने से भाजपा से लड़ाई संभव नहीं है। यह भाजपा से लड़ाई की रणनीति का सिर्फ एक हिस्सा हो सकता है। एक मजबूत गठबंधन बनाने के लिए विपक्षी पार्टियों सबसे पहले अपने विस्तार की चिंता छोडऩी होगी। अभी ज्यादातर पार्टियां अपने विस्तार की चिंता में लगी हैं। उनको लग रहा है कि उन्हें अपने असर वाले राज्यों में लडऩे के लिए ज्यादा सीट मिल जाएं और अपने असर वाले राज्य से बाहर भी कुछ सीटें मिल जाएं। यानी सभी पार्टियां ज्यादा से ज्यादा सीट लडऩा चाहती हैं। चार राज्यों में कांग्रेस की हार के बाद प्रादेशिक पार्टियों का हौसला बढ़ा है और उनको लग रहा है कि वे कांग्रेस से मोलभाव करके ज्यादा सीटें हासिल कर सकती हैं। दूसरी ओर कांग्रेस भी हर राज्य में 40 फीसदी वोट मिलने के आंकड़ों के आधार पर अपनी मजबूती बताने में लगी है। वह गठबंधन का नेतृत्व करने और ज्यादा से ज्यादा सीट पर लडऩे की सोच छोड़ नहीं रही है। सो, अपने विस्तार और गठबंधन के विस्तार से आगे विपक्षी पार्टियों को सोचना होगा। दूसरी अहम बात यह है कि विचारधारा में समानता और एकरुपता के लिए काम करना होगा। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि सिर्फ ज्यादा पार्टियों को इकट्ठा कर लेने या ज्यादा राज्यों में तालमेल कर लेने या हर सीट पर भाजपा के खिलाफ विपक्ष का एक उम्मीदवार उतार देने से विपक्षी गठबंधन की जीत की गारंटी नहीं होगी। मजबूत गठबंधन, संगठन, जमीनी तैयारी, संसाधन आदि चीजें जरूरी हैं लेकिन उसके साथ ही एक वैकल्पिक विचार की भी जरुरत है। दुर्भाग्य से विपक्षी गठबंधन अभी इसे तय नहीं कर पा रहा है। कांग्रेस भी अलग अलग मुद्दे आजमा रही है और प्रादेशिक पार्टियां भी राज्यों में अपने हिसाब से मुद्दे आजमा रही हैं। लेकिन मुद्दों और विचारधारा पर समानता और एकरुपता नहीं दिख रही है। यहां तक कि कांग्रेस खुद ही अलग अलग राज्यों में अलग अलग मुद्दे और विचार आजमा रही है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की अगली बैठक में इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। यह समझना होगा कि भाजपा से लडऩे के लिए भाजपा जैसे ही विचार की जरुरत नहीं है। इसके लिए प्रतिविचार की जरुरत है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि वह प्रतिविचार डीएमके के सनातन विरोध की तरह नहीं हो। इसके बीच संतुलन बनाने की जरुरत होगी। भाजपा के हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और मजबूत नेतृतव के तीन मुद्दों का जवाब देने के लिए क्या किया जा सकता है इस पर विचार करना होगा। विपक्षी पार्टियों को भाजपा की ओर से बनाए नैरेटिव के जाल में भी नहीं फंसना है। विपक्ष ने जाति गणना के जिस मुद्दे में अपने को इतना खपाया वह हिंदी पट्टी के राज्यों में सफल नहीं हुआ है। मुफ्त की वस्तुओं और सेवाओं की घोषणा में भी अब कुछ नयापन नहीं रह गया। सारी पार्टियां इसे आजमा रही हैं। सो, विपक्षी पार्टियों को नए आइडियाज के बारे में सोचना होगा। मुश्किल यह है कि अब समय कम बचा है। दूसरी ओ भाजपा ने अपना नैरेटिव सेट कर दिया है। जम्मू कश्मीर से राष्ट्रवाद और अयोध्या से हिंदुत्व का एजेंडा सेट है तो दूसरी ओर राज्यों में पिछड़े, दलित, आदिवासी के साथ सवर्ण का इंद्रधनुषी समीकरण भाजपा ने बनाया है। और ऐसा नहीं है कि यह एक-दो महीने या एक-दो साल में हुआ है। पहले की तरह भाजपा और संघ ने तात्कालिक ध्रुवीकरण की बजाय व्यापक हिंदू समाज के पुनर्जागरण का माहौल बनाया है। इसके लिए क्या वैकल्पिक एजेंडा हो सकता है उस पर विपक्ष को गंभीरता से विचार करना होगा। कम समय में किस एजेंडे को आम लोगों के दिमाग में बैठाया जा सकता है उसकी तलाश सबसे जरूरी है। कांग्रेस अब संसद की सुरक्षा में चूक के बाद बेरोजगारी और महंगाई का मुद्दा उठा रही है लेकिन विपक्ष अगर लोगों को यह नहीं समझा पाता है कि उनके अपने हित के लिए गठबंधन की जीत जरूरी है तब तक गठबंधन का आकार बढ़ाने का कोई फायदा नहीं होगा। अंत में विपक्षी पार्टियों को अपने काडर के बीच तालमेल बनाने की जरुरत होगी। राजनीतिक दलों का काडर बिजली के स्विच की तरह काम नहीं करता है। यह संभव नहीं है कि आज आपस में लड़ रही दो पार्टियों के नेता कल दिल्ली में समझौता कर लें तो जमीन पर उनके समर्थक और काडर भी एक हो जाएंगे। यह एक मुश्किल और श्रमसाध्य काम है। इसके लिए सभी पार्टियों के नेताओं को मेहनत करनी होगी। उन्हें अपने काडर तक पहुंचना होगा और उसे नए गठबंधन के लिए तैयार करना होगा। अगर काडर एकजुट नहीं होता है और सभी दलों के कोर समर्थक मतदाता समूह में एकजुटता का मैसेज नहीं जाता है तो कितना भी बड़ा गठबंधन बने उसका फायदा नहीं होगा। सो, 19 दिसंबर की बैठक में पार्टियों को सीट बंटवारे से आगे बढ़ कर वैकल्पिक मुद्दों और नैरेटिव पर विचार करना होगा और साथ ही सभी पार्टियों के काडर के बीच तालमेल बनाने की योजना बनानी होगी।

कांग्रेस हमेशा गलत क्यों

हरिशंकर व्यास

उत्तर भारत में बुरी हार के बावजूद राहुल गांधी से लेकर कमलनाथ, भूपेश बघेल, अशोक गहलोत आदि सभी अभी भी नादानी में हैं। जैसे राजस्थान को लेकर यह सोचना कि भाजपा ने सांप्रदायिक राजनीति की, राहुल गांधी-प्रियंका ने मेहनत कम की तो हार गए। कांग्रेस को ध्यान ही नहीं कि भाजपा गलत उम्मीदवारों, ज्यादा कलह, अपने बागियों की अधिकता के बावजूद बहुमत से जीती है। कांग्रेस न चुनाव लड़ते वक्त सही थी और न हारने के बाद ईमानदारी से विश्लेषण करते हुए है। तीनों राज्यों में कांग्रेस ने रेवडियों का खोमचा लगा कर चुनाव लड़ा। राहुल गांधी का अखिल भारतीय स्तर पर ओबीसी वोटों को रिझाने का खोमचा था। मतलब कांग्रेस है ओबीसी हितरक्षक! हम जात जनगणना कराएंगे। और राहुल गांधी का ऐसा हल्ला किसके आगे था? जन्मजात ओबीसी और बतौर पिछड़े प्रधानमंत्री के चेहरा बनाए ओबीसी के घर-घर पहुंचे हुए नरेंद्र मोदी के आगे! तभी सोचें, राहुल गांधी और उनके सलाहकारों की मूर्खता पर! कश्मीरी पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी की विरासत संभाले ब्राह्मण राहुल गांधी के ओबीसी खोमचे पर। जिस नेहरू-गांधी परिवार ने दशकों राज किया। ब्राह्मण-फॉरवर्ड, दलित, आदिवासी और मुसलमान के कोई 60-65 प्रतिशत वोट बैंक से जिसने उत्तर भारत में लगातार विजय पाई उन इंदिरा गांधी का पोता यदि पिछड़ों को रिझाने के खोमचे से राजनीति करेगा तो क्या होगा? चुनाव में सूपड़ा साफ! इसलिए इन बातों का कोई अर्थ नहीं है कि हार के बावजूद तीनों प्रदेशों में कांग्रेस का वोट तो है। भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में हर संभव ओबीसी राजनीति की। ओबीसी और किसान के समीकरण में चुनाव जीतने की मास्टर रणनीति बनाई। ब्राह्मण-बनियों को गैर-छत्तीसगढ़ी करार दे कर आदिवासियों को भी छत्तीसगढिया ओबीसी समीकरण में समेटा। इनके अलावा मुस्लिम वोटों को भी पटाए रखा! मतलब राहुल गांधी का ओबीसी खोमचा आदर्श रूप में छत्तीसगढ़ का सुपर शॉपिंग मॉल बना हुआ था। यह भी जानना चाहिए कि आधुनिक तौर-तरीकों से चुनाव प्रबंधन, सर्वे, सोशल मीडिया, प्रचार और संसाधन सभी में भूपेश बघेल और उनकी टीम भाजपा से बीस थी न कि उन्नीस! लेकिन चुनाव नतीजा क्या? वही जो रायपुर एयरपोर्ट से उतरते ही झलकता हुआ था। मैं बार-बार लिखता हूं कि उत्तर भारत में लोगों की धडक़न बामन-बनियों की चर्चाओं से बनती है। यह सत्य नेहरू-इंदिरा गांधी के वक्त था तो नरसिंह राव, वाजपेयी, मनमोहन सिंह के समय में भी रहा। और मोदी राज में भी है। गांव चौपाल हो या बिलासपुर, रायपुर में जन मानस क्या सोचता हुआ होता है? आजादी से पहले के स्वतंत्रता आंदोलन पर विचार करें। किसने अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की गूंज बनाई? ब्राह्मण-बनियों ने! किसने गांधी-नेहरू की हवा बनाई? रामजी और भागवत की कथा को बांचने वाले ब्राह्मणों ने! किसकी धुरी पर यूपी में ब्राह्मण-दलित-मुसलमान का समीकरण रहा? गोविंद वल्लभ पंत, त्रिपाठी, मिश्र, तिवारी जैसों के नेतृत्व से। याद रखें कांशीराम-मायावती ने अकेले 'तिलक तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार' या मुलायम के संग राजनीति की तो उससे कुछ नहीं बना लेकिन शंख बजवा 'हाथी नहीं गणेश है ब्रह्मा, विष्णु, महेश है' से ब्राह्मणों को पटाया तो उत्तर प्रदेश में दलित-ब्राह्मण-मुस्लिम वोट बैंक बना और मायावती ने पूरे बहुमत से राज किया। मगर फिर ज्योंहि हिंदू राजनीति के आईकॉन के तौर पर नरेंद्र मोदी वाराणसी में पंडित मदनमोहन मालवीय का नाम ले कर चुनाव लडऩे उतरे तो घर-घर मोदी हो गया। ओबीसी भी ब्राह्मण-बनियों को साथ हर-हर करते हुए।

क्या मैं गलत हूं?

सचमुच उत्तर भारत की यह अमिट हकीकत है कि ब्राह्मण मंदिर-पूजा-पाठ आदि की धर्म पताका से सभी जातियों में रमा रहता है। अपनी सोच और चर्चा की चखचख (यह बात राष्ट्रीय नैरेटिव में भी लागू है) को सभी जातियों में पसारते हुए होता है। जबकि जाट, यादव, गुर्जर आदि जातियां अपनी बिरादरी, खाप, चौपाल विशेष में खुद के सरोकारों, आपसी चर्चाओं से बाहर प्रभाव फैलाए हुए नहीं होती हैं। ओबीसी जातियों में परस्पर ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और खुन्नस का व्यवहार होता है तो दलित व मुसलमानों से टकराव भी बना हुआ होता है। नतीजतन अपने इलाके के दायरे के ही पंच, सरपंच, विधायक को ले कर जात अनुसार भले फैसले करें लेकिन प्रदेश और देश की राजनीति में वे उसी रौ में बहते हुए होंगे, जिसका नैरेटिव ब्राह्मण-भूमिहार-बनियों की फॉरवर्ड जमात से पैदा हुआ होता है।

इस रियलिटी को कांग्रेस भूला बैठी है। सोचें, मोदी-शाह कैबिनेट में, प्रदेशों के राजनीतिक नेतृत्व में ओबीसी चेहरों, जातियों की प्रदर्शनी लगाए बैठे हैं वहीं राहुल गांधी का प्रलाप है कि भारत सरकार के सचिवों में तीन ही ओबीसी सचिव हैं। भला भाजपा जब प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्री आदि के चेहरो में ओबीसी बैठाए हुए है, ब्राह्मण-बनिए उनकी वाह करते हुए हैं तो राहुल गांधी का ओबीसी खोमचा कैसे हिट हो सकता है। लोगों के गले उतर सकता है? राहुल गांधी व सभी मोदी विरोधियों का नंबर एक संकट है जो उनकी बात पर गांव-चौपाल, शहर में चर्चा कराने वाला, नैरेटिव बनवाने वाला ब्राह्मण-बनिया है ही नहीं। ध्यान रहे अब शहरों-महानगरों और राजधानियों में ही सियासी चक्रवात बनते हैं और गांव-कस्बों को चपेटे में लिए हुए होते है।

शीतलहर से आम जन को बचाने को जिलाधिकारी के निर्देश

अलाव जलाने या कम्बल वितरण की आवश्यकता महसूस हो तुरंत व्यवस्था हो : डीएम

जतिन शर्मा

हरिद्वार। उतराखण्ड में पहाडी इलाकों में बर्फबारी होने से आसपास के मैदानी ईलाको में भी शीत लहर का प्रकोप बढ गया है ।जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र, हरिद्वार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार जनपद में शीत लहर से आम जन को बचाने की दिशा में तहसील हरिद्वार में- बीज़एचज़ईज़एलज़ तिराह, बहादराबाद, बस स्टैण्ड काली मंदिर, तहसील लक्सर में-रायसी, गोवर्धनपुर, सुल्तानपुर, शेखपुरी, तहसील परिसर, तहसील भगवानपुर में- निकट चुडियाला रेलवे स्टेशन, तेज्जूपुर, म्हाड़ी वाला चौक, लकेश्री, चुड़ामणि मंदिर, चुड़ियाला निकट सरकारी ट्यूबवेल रायपुर, नगर निगम हरिद्वार में- ऋषिकुल चौक बस स्टैंण्ड, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, शिवमूर्ति, ललतारौपुल, पोस्ट ऑफिस, हाथी पुल रैन बसेरा पुरूष, हाथी पुल रैन बसेरा महिला, रैन बसेरा अलकनंदा घाट, भीमगौड़ा बैरियर, हरकी पैड़ी हरिद्वार, सुभाष घाट हरिद्वार, मालवीय द्वीप हरिद्वार, मनसादेवी उड़न खटोल हरिद्वार, पुरूषार्थी मार्किट, चण्डी घाट चौराह हरिद्वार, नाई घाट हरिद्वार, सप्तऋषि हरिद्वार, दुधाधारी चौक भूपतवाला, वार्ड नंज़-1 मिश्रा पार्षद, प्रेस कलन देवपूरा नाई घाट हरिद्वार, चद्राचार्य चौक रानीपुर हरिद्वार, रेलवे स्टेशन ज्वालापुर, पुजटवाड़ा ज्वालापुर, कटहरा बाजार ज्वालापुर, झण्डा चौक कनखल, बंगाली मौड़ शंकराचार्य चौक,मारूति वाटिकाजगजीतपुर, रामेश पार्षद सिंहद्वार कनखल हरिलोक कॉलोनी शारदानगर रेलवे स्टेशन, फाटक ज्वालापुर, आर्यनगर, नगर निगम रूड़की- मलकपुर चुंगी बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन रूड़की टॉकिज, नगर निगम रैन बसेरा, नगर निगम कार्यालय, आदर्श नगर, चौधरी चरण सिंह द्वार, वाल्मिकी द्वार, प्रदीप बत्रा जी कार्यालय, आजाद नगर कलियर अडडा, भगत सिंह चौक, नगर पुल हाईडिल, अग्रवाल धर्मशाला, गणेशपुर पुल, चन्द्रपुरी रिक्शा स्टैंड, कुष्ठ आश्रम, पैट्राल पंप चावमंडी, सीज़पीज़ तहसील कार्यालय, लेबर चौक, रामनगर, विश्वकर्मा चौक पुरानी तहसील, राधा कृष्ण मंदिर, मछली चौक, त्यागी डेरी, साउथ सिविल लाइन, इमली रोड़, टोनी पार्षद के सामने, एसज़डीज़एमज़ कार्यालय, पूरण बाबा अम्बर तालाब पश्चिमी, सोलानी पार्क, कृष्ण नगर गली नंज़20, एसज़पीज़ देहात कार्यालय, अनुप राणा कार्यालय, बाड़ी के कार्यालय, मिलन पान भण्डार, अंकित चौधरी वार्ड नंज़-40, संजय कश्यप, वार्ड नंज़-24 सोनू कश्यप, मौहम्मदपुर, तहसीलदार, शेरपुर, विनिता रावत पार्षद पुलिस, चौकी सोत, नगर पालिका परिषद, शिवालीक नगर में-टिहरी विस्थापित कॉलोनी, राम मंदिर, पानी की टंकी, सुभाषनगर, चिन्नमय डिग्री कॉलेज के सामने, पेंटगन मॉल के पास, नवोदयनगर, अन्नेकी हेतमपुर, नगर पालिका परिषद मंगलौर-नगर पालिका चौक, रोड़वेज बस अड्डा, मेन बाजार हनुमान चौक, हैदरी चौक, चुंगी नंज़ 3, किला अय्यूब बग्गी के पास, जीज़्टीज़रोड़, जैन स्तम्भ, मंगलौर, जीज़्टीज़ रोड़ पंजाब नेशनल रोड़ बैंक के पास मंगलौर, जीज़्टीज़रोड़ कपूर हॉस्पिटल के पास, बीज गोदाम मंगलौर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मंगलौर, हजरत शाह विलायत मंगलौर, चुंगी मानक चौक, शिव चौक मंगलौर, झीवरो वाला, मंगलौर, धोबियों वाली पुलिया, मलकपुर, मीर हसन के घर के पास, कसाईवाली पुलिया मलकपुरा मंगलौर, सिटी हास्पिटल मंगलौर, डॉज़ आजीम हॉस्पिटल के पास, मानक चौक मंगलौर, बैंक ऑफ बढौदा के पास सीज़्टीज़ रोड़ डिग्री कॉलेज लालबाड़ा रविदस मन्दिर चौक खालसा मंगलौर, नगर पालिका परिषद लक्सर-नरोजपुर पुलिया शीमली के पास चौराहे पर, रेलवे स्टेशन लक्सर, रेन बसेरा नज़पाज़परिज़लक्सर, अम्बेडकर पार्क लक्सर गांव, पुलिस चौकी, मेन बजार लक्सर, वार्ड नं0-8 सलेमपुर बक्काल चौराह लक्सर, रायन पैलेस के सामने, इलम सिंह की पुलिया, केशव नगर, लक्सर टेम्पो स्टैंड हरिद्वार रोड, लक्सर, रूड़की हरिद्वार तिराहा शिव चौक लक्सर, थाना कोतवाल लक्सर, रेलवे पैदल पुल के पास, वार्ड नंज़-2 शिमली लक्सर, रेलवे रोड़ शिवपुरी चर्च के पास विधायक खानपुर कार्यालय, नगर पालिका पार्क पुल के नीचे गोवर्धनपुर रोड़, मेरठ अस्पताल के पास, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लक्सर, तहसील गेट के सामने लक्सर, लक्सरी पुलिया रेलवे रोड़, पीर के पास निकट पावर हाउस वार्ड नंज़-6 आदर्श कॉलोनी, पुरकाजी बस अड्डा, गोवर्धनरोड़ लकसर, कार्यालय फायर ब्रिगेड लक्सर, बालावाली तिराह लकसर, गन्ना समिति लकसर, गेट उपजिलाधिकारी आवास लक्सर, नगर पंचायत भगवानपुर में -मस्जिद के पास बस स्टैंड, इमली रोड सरस्वती स्कूल के पास, सिकरौढ़ा रोड़, मनोकामना देवी मंदिर के सामने, चुड़ियाला चौक, आर्य समाज के पास, खानपुर चौक पुल के नीचे मार्किट चौक, खानपुर में खेड़े के पास, मार्किट चौक, खानपुर खेड़े के पास शराफत टायर वालों के सामने सर्विस रोड़ पर मेन बजार पंचायत घर के पास, नगर पंचायत, झबरेड़ा में - अमर जवान चौक, शिव चौक, रविदास मंदिर जटोल रोड़, जोध सिंह की दुकान के पास, राधे श्याम चक्की के पास इकबालपुर रोड़, शिव मंदिर, सेवा भारती, झण्डा चौक बुर्ज के पास, पैट्रोल पम्प के सामने, पशु चिकित्सालय शिव मंदिर कुम्हारन, पुराना बाजार पवन बाबा जी की दुकान के पास, छावनी चौक, हनुमान चौक ढाबा वाली मस्जिद, खारा कुंआ ईद गाह, साबर अली, मस्जिद, इस्माइलपुर चौक, नगर पंचायत रामपुर-ग्रीन पार्क कॉलोनी रामपुर, मदरसा के समीप सालियर, हसन कॉलोनी, रा0प्रा0 विद्यालय सालियर आदि स्थानों पर 229 अलाव जलाये जाने की व्यवस्था की गई है तथा 1373 कंबल का वितरण किया गया है। ठंड को देखते हुए जनपद में 10 रैन बसेरा संचालित किये जा रहे हैं जिसमें बिजली, पानी, बिस्तर, शौचालय, रूम हीटर तथा साफ सफाई का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने अधिकारियों को ये भी निर्देश दिये हैं कि जहाँ पर भी अलाव जलाने या कम्बल वितरण की आवश्यकता महसूस हो तुरंत व्यवस्था की जाये।

श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने की खुशी में त्रिकालदर्शी भगवान वाल्मीकि मंदिर में स्वच्छता अभियान: डॉ प्रेमचंद अग्रवाल*

(जतिन शर्मा)

ऋषिकेश । क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने की खुशी में त्रिकालदर्शी भगवान वाल्मीकि मंदिर में स्वच्छता दिनाँक 18 जनवरी को अभियान चलाया। इस दौरान डॉ अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ मंदिर परिसर पर साफ-सफाई कर जय श्रीराम के जयकारे लगाए। गुरुवार को स्वच्छता अभियान चलाकर मंत्री डॉ अग्रवाल ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर भारतीय जनता पार्टी देशभर में मकर संक्रांति से कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी क्रम में हनुमान मंदिर परिसर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि श्रीराम सभी भारतवासियों के आदर्श हैं। कहा कि 500 साल के लंबे संघर्षों एवं कई बलिदानों के बाद सत्य सनातन धर्म के प्रभु श्रीराम अयोध्या में बन रहे भव्य दिव्य नव्य मंदिर में 22 जनवरी को विराजमान होंगे। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका विधिवत लोकार्पण करेंगे, जो हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा लोगों के हितों और श्रद्धा को ध्यान में रखते हुए कार्य किया है। मंत्री डा. अग्रवाल ने आमजनमानस को प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद स्वरूप पूजित अक्षत एवं श्रीराम मंदिर का चित्र भी वितरित किया। डॉ अग्रवाल ने कहा कि भगवान राम के जीवन की एक-एक घटना और उनका प्रत्येक निर्णय हमें एक आदर्श व्यक्ति बनाने के लिए काफी है। कहा कि श्रीराम शांति के स्वरूप भी हैं और शक्ति के भी।

जय श्रीराम के जयघोष के साथ शांतिकुंज दल मुंबई रवाना

हरिद्वार ।21 से 25 फरवरी 2024 के बीच आयोजित होने वाले मुंबई अश्वमेध महायज्ञ के लिए शांतिकुंज से उच्च स्तरीय एक दल दिनाँक 16 जनवरी को रवाना हुआ। दल अपने साथ यज्ञशाला, निर्माण, प्रदर्शनी आदि से संबंधित सामान लेकर वीडियो रथ सहित सात बड़ी गाड़ियों में रवाना हुआ। दल को अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या एवं व्यवस्थापक महेन्द्र शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर विदा किया।

मुख्यमंत्री के निर्देश, शासन ने जारी की एडवाइजरी

(जतिन शर्मा)

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उतराखण्ड में लोगों को वन्यजीव के हमले से बचाने के निर्देश दिए। निर्देश पर कार्रवाई करते हुए शासन ने मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए बीते मंगलवार को विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। शासन द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार, लोग वन्यजीव बाहुल्य क्षेत्रों में अकेले जाने से बचें। जहां तक संभव हो समूह में जाएं तथा वन्यजीव बाहुल्य क्षेत्रों में सूर्यास्त से सूर्योदय के बीच अत्यन्त आवश्यक होने पर ही प्रवेश करें तथा इस अवधि में अत्यन्त सावधानी बरतें। अभिभावक जन बच्चों को समूह में स्कूल भेजें। वन क्षेत्रों से गुजरते समय अपने साथ मजबूत छड़ी आदि साथ में रखें। वन्यजीव से सामना होने पर सुरक्षित दूरी बनाएं रखें। अति उत्साह में किसी वन्यजीव के पास जाने एवं सेल्फी/फोटो आदि लेनें से बचें। वन्यजीव के बच्चे / शावक साथ हो तो ऐसे में विशेष सावधानी बरतें। बरसात व कोहरे के समय गौशाला, शौचालय एवं घरों के आस-पास की झाड़ियों की नियमित सफाई करें एवं प्रकाश की उचित व्यवस्था करें। उप सचिव वन द्वारा महानिदेशक सूचना को संबोधित पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि घर के आस-पास के कचरे के निस्तारण की उचित व्यवस्था किए जाएं।

समूह में बच्चों को स्कूल भेजे मुख्यमंत्री धामी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. - 9997331129
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com